देश में श्वेत कांति के साथ प्रसंकरण कांति आवश्यक– डॉ. जुयाल,

प्राथमिक पशु प्रबंधन, उपचार, टीकाकरण, शल्य किया एवं उदभेद नियंत्रण विषय पर पॉच दिवसीय एस्काड प्रशिक्षण का सामापन

जबलपुर। दिनांक 10 अगस्त 2018 नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में पशु पोषण विभाग, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के सभागार में, दिनांक 06 अगस्त 2018 से 10 अगस्त 2018 तक संचनालय पशुपालन विभाग भोपाल द्वारा प्रायोजित पॉच दिवसीय एस्काड प्रशिक्षण का समापन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.) के मुख्य आतिथ्य एवं माननीय डॉ. रमेश प्रताप सिंह बघेल अधिष्ठाता पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय जबलपुर की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

सामापन कार्यक्रम में डॉ. अंकुर खरे प्रशिक्षण निर्देशक ने इन पॉच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता एवं प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रदेश के विभिन्न जिलों के 17 सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों ने प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से सहभागिता निभाई। इस पाठ्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के वैज्ञानिकों द्वारा पशु पोषण, प्राथमिक उपचार, प्रबंधन आदि से संबंधित विभिन्न विषयों पर 11 व्याख्यान 4 प्रयोगिक प्रशिक्षण, 4 शैक्षणिक भ्रमण क्रमशः पशुधन प्रक्षेत्र आमानाला, संयुक्त पशधन प्रक्षेत्र अधारताल, का भ्रमण कराया गया। अधिष्ठाता पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. आर. पी.एस. बघेल द्वारा बताया गया कि पशु पोषण तकनीकों के द्वारा पशुधन की उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है।

माननीय कुलपति डॉ. पी.डी. जुयाल द्वारा उपस्थित सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों को बताया कि यह पशुपालन की क्राँति का समय है। पशुओं की सेहत म पोषण का महत्वपूर्ण योगदान है, प्रदेश में वर्तमान में अधिक दुग्ध उत्पादन हो रहा है तथा दुग्ध पदार्थो का प्रसंकरण किया जाना चाहिये। प्रसंकरण के उपरांत ही पशुपालक को और अधिक लाभ होगा। इस हेतु हमारे क्षेत्र में डेयरी टेक्नालॉजी कॉलेज की महती आवश्यकता है।

मुख्य अतिथि डॉ. पी.डी. जुयाल द्वारा प्रशिक्षणाथिर्यों को प्रशस्ति पत्र वितरित किये गए। इस समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डॉ. एस.एन.एस. परमार, डॉ. यशपाल साहनी, डॉ. जी.पी. पाण्डेय, डॉ. सुनील नायक, डॉ. श्रीकांत जोशी, डॉ. जे.के. भारद्वाज, डॉ. शशिकान्त महाजन, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव, डॉ. ऐ.के. गौर, डॉ. विश्वजीत रॉय, डॉ. अंजू नायक, विभागाध्यक्षों एवं वैज्ञानिकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन में डॉ. शानू सिंगौर एवं डॉ. नगेन्द्र उइके का महत्वपूर्ण योगदान रहा तथा आभार प्रर्दशन डॉ. प्रमोद शर्मा द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर